सारनाथ के जैन मंदिर– तीर्थंकर श्रेयांसनाथ की तीर्थ स्थली

तीर्थंकर श्रेयांसनाथ की तीर्थ स्थली दिगम्बर जैन परम्परा में सिंहपुरी, सारनाथ में भगवान श्रेयांसनाथ का मंदिर है तथा हीरामनपुर ग्राम में श्वेताम्बर जैन मंदिर है।

दिगम्बर जैन मंदिर– यह मंदिर धम्मेक स्तूप के बगल में बना हुआ है। सन् 1824 ई. में प्रतिष्ठित काले पाषाण की श्रेयांसनाथ भगवान की मूलनायक प्रतिमा विराजित है। अन्य सभी प्रतिमाएं भी श्रेयांसनाथ भगवान की ही हैं। इस मंदिर में क्षुल्लक जिनेन्द्र वर्णी की मूर्ति भी स्थापित है।

इस मंदिर के सामने धर्मशाला है एवं इस धर्मशाला के मैदान (मनोहर उद्यान) में श्रेयांसनाथ भगवान की विशाल पद्मासन मूर्ति विराजित है तथा काशी में जन्मे चारों तीर्थंकरों की चार प्रतिमाएं अलग–अलग वेदियों पर प्रतिष्ठित है।

सारनाथ खुदाई में प्राप्त पुरातत्व सामग्री का एक वृहद् राजकीय संग्रहालय भी है। इस संग्रहालय में जैन एक दीर्घा है। इस दीर्घा में प्रथम शताब्दी का जैन आयागपत्र का भाग, जो मथुरा के लाल पत्थर से निर्मित है।

श्वेताम्बर जैन मंदिर– श्रेयांसनाथ भगवान जन्मभूमि श्वेताम्बर जैन मंदिर सारनाथ से 2 किमी. दूर हिरावनपुर गांव में है (जो सन् 1857 ई. से पूर्व का है)। यहाँ आचार्य जिन कुशलचन्द्र सूरी की प्रतिमा भी स्थापित है। जिन्होंने इस मंदिर का उपरोक्त वर्ष में जीर्णोद्धार करवाया था।